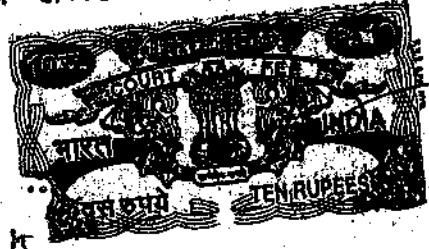


न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष महोदय राजस्व मंडल ग्वालियर केम्प

भोपाल



R. 2959-138/15

1. श्रीमती शोभना उर्फ माधवी पुत्री सखाराम गोडबोले निवासी मुंबई
2. श्री सचिन आ. कमलाकर शिन्ने(नाती सखाराम) द्वारा संतोष सखाराम गद्रे निवासी लोकमान्य नगर इंदौर
3. श्री शिरीष आ. सखाराम गद्रे निवासी टिमरनी

.....पुनरीक्षणकर्तागण

विरुद्ध

1. जर्नादन आ. भगवतराव गद्रे निवासी टिमरनी
2. प्रेमनारायण आ. परसराम किरार निवासी धौलपुर कला

.....उत्तरवादीगण

पुनरीक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 म0प्र0 भू राजस्व संहिता

माननीय आयुक्त महोदय नर्मदापुरम संभाग होशंगाबाद द्वारा राजस्व अपील प्र0 क0 118/अपील/13-14 में पारित आदेश दिनांक 13.8.15 जिसके द्वारा उत्तरवादीगण द्वारा प्रस्तुत अपील को स्वीकार कर निम्न न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी टिमरनी के प्रकरण क0 76 अ/70 वर्ष 2012-13 एवं तहसीलदार महोदय रहडगांव के रा.प्र.क. 8अ/70 वर्ष 2012-13 में पारित आदेश दिनांक 12.8.13 को निरस्त किया है एवं प्रकरण पुनः जांच हेतु निम्न न्यायालय को प्रत्यावर्तित किया है से व्यथित होकर पुनरीक्षणकर्तागण यह पुनरीक्षण याचिका इस माननीय न्यायालय के समक्ष निम्न आधारों पर प्रस्तुत करते हैं-

[Signature]

गइ

रेत
प्रह
का
नः
न
हे
र

R. 2859 - P302/15 हस्ता

29.10.2015

आवेदन की और से श्री दिवाकर शीशित आभिवाक्क उपाख्यता पर सुना गया। आयुक्त के आदेश दिनांक 13.8.15 का अवकाश किया गया। आयुक्त के आदेश को रेटर्न से स्पष्ट है कि उनके द्वारा प्रदान अधिकारी आधिकारी को प्रत्यक्ष किया गया है, जो कि कोर्टो की धारा 59 में दुरु संशोधन के विपरीत है, क्योंकि कोर्टो की धारा 59 में दुरु संशोधन के फलस्वरूप अपीलीय प्राधिकारी को प्रदान प्रत्यक्ष करने की आधिकारिता नहीं है। अतः आयुक्त का आदेश निरस्त किया जाकर प्रदान सुबोध अपीलीय निराकरण करने हेतु प्रत्यक्ष किया जाता है।

अध्यापक

अध्यापक